शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

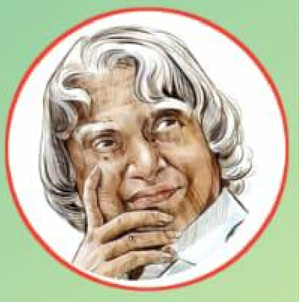

पंच परमेश्वर

मुंशी प्रेमचंद

काव्य रूपान्तरण:- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

पंच परमेश्वर

जुम्मन शेख और अलगू चौधरी,
दोनों में थी गाढ़ी मित्रता।
साझे में खेती होती थी,
कुछ लेन-देन भी साझा था।।

एक-दूसरे पर था दोनों को,
गहरा व अटल विश्वास।
बचपन से थी चली आ रही,
यह मित्रता थी बहुत खास।।

जुम्मन की थी बूढ़ी खाला,
जिसकी थी कुछ जायदाद आम।
जुम्मन ने करके झूठे वादे,
वह लिखवा ली थी अपने नाम।।

जब तक न हुई थी रजिस्ट्री,
खाला की हुई खूब खातिरदारी।
लगते ही रजिस्ट्री पर मुहर,
खाला लगने लगी उनको भारी।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

कक्षा- 5

पाठ- 2 विषय- हिन्दी

पंच परमेश्वर

भाग-2

जुम्मन की पत्नी करीमन,
खाला को सुनाने लगी बातें।
खाला को अब हो गयीं,
मुश्किल काटनी अपनी रातें।।

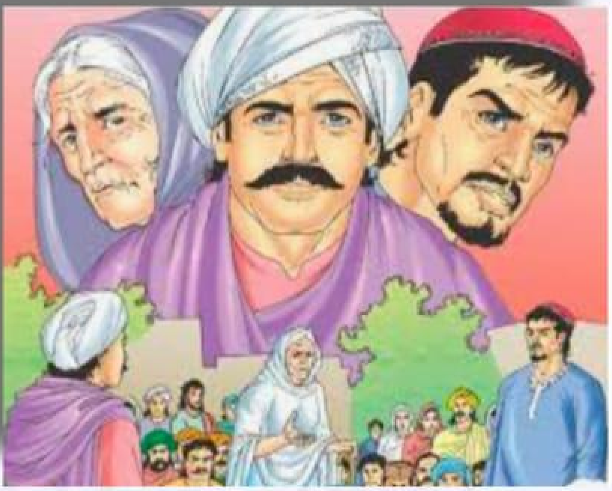

कुछ दिन तक तो रो-धोकर,
जिंदगी यूँ ही चलती रही।
जब खाला से न गयी सही,
तो जुम्मन से शिकायत कही।।

अंत में जुम्मन से उसने कहा,
बेटा अब न साथ निबाह होगा।
दे दिया करो तुम रुपये मुझे,
अलग पका-खाने से मेरा गुजर होगा।।

जुम्मन ने धृष्टता से कहा,
रुपये क्या यहाँ फलते हैं।
खाला ने फिर बिगड़कर कहा,
तो चलो पंचायत में चलते हैं।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

कक्षा- 5

पाठ- 2 विषय- हिन्दी

पंच परमेश्वर
भाग-3

एक शाम को पेड़ के नीचे,
पंचायत का आयोजन हुआ।
खाला ने फिर सब पंचों से,
विनती करते हुए कहा।।

तीन साल हुए मुझे अपनी,
जायदाद जुम्मन के नाम किये।
जिसके बदले में इसने मुझे,
रोटी-कपड़ा देना कुबूल किये।।

सालभर तो बस रो-धोकर,
इसके साथ है मैने काटा।
न रोटी मिलती है न कपड़ा,
अब मुझसे नहीं सहा जाता।।

अब हो गयी हूँ मैं बेसहारा,
तुम ही निर्णय करो हमारा।
कहोगे जैसे उस राह चलूंगी,
पंचों की बात सिर माथे धरुंगी।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

22/09/2020 505 मंगलवार

कक्षा- 5

पाठ- 2 विषय- हिन्दी

पंच परमेश्वर

भाग- 4

सरपंच किसे बनाया जाए,
इस पर दोनों में बहस हुई।
खाला ने फिर अलगू चौधरी को,
सरपंच बनाने की बात कही।।

नाम सुना जब अलगू का,
जुम्मन शेख को बड़ी खुशी हुई।
मन के भाव छिपाकर बोले,
चलो अलगू चौधरी ही सही।।

सरपंच बने अलगू ने कहा,
भले ही हम दोस्त पुराने सही।
लेकिन इस वक्त खाला और तुम,
निगाह में हमारी समान हैं अभी।।

जुम्मन ने अपनी सफाई दी,
खुदा गवाह है हमने कभी।
अपनी खालाजान को न दी,
जरा सी भी तकलीफ़ कोई।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

पंच परमेश्वर

भाग- 5

अलगू चौधरी ने जुम्मन से,
जिरह फिर शुरू कर दी।
चकित जुम्मन लगे सोचने,
अलगू ने तो हद कर दी।।

अभी तो साथ बैठे थे मेरे,
क्यों अब प्रश्न पूछें बहुतेरे।
पंचों ने विचार फरमाया,
अलगू ने फिर फैसला सुनाया।।

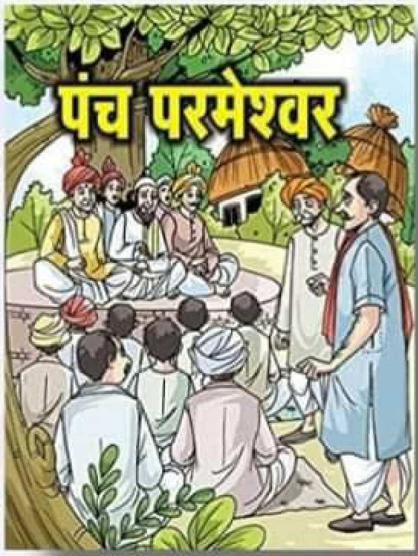

जुम्मन शेख! तुम दोनों की सुनकर,
पंचो ने यह निर्णय लिया है,
खालाजान को माहवार खर्च,
दिया जाना निश्चित किया है।।

बस यही फैसला हमारा है,
खर्च देना यदि न हो मंजूर।
तो रजिस्ट्री समझी जाए रद्द,
फिर इसमें कुछ नहीं तुम्हारा है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 6/10/2020

656

दिन- मंगलवार

पंच परमेश्वर भाग-6

फैसला सुनते ही जुम्मन,
सन्नाटे में आ गए।
अलगू के फैसले की,
सब लोग प्रशंसा किये।।

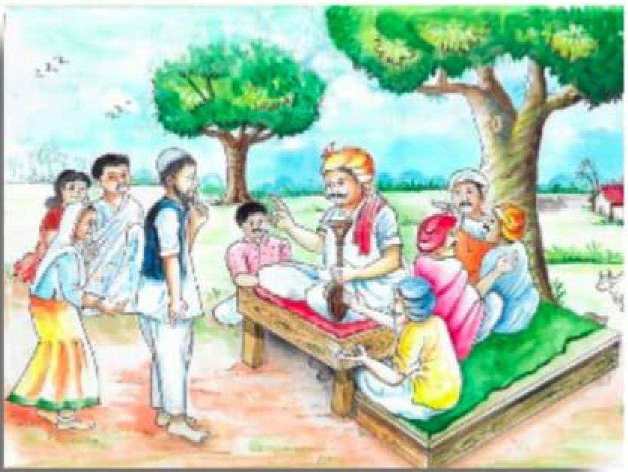

इस फैसले से दोनों की,
दोस्ती की जड़ हिल गयी।
जुम्मन को इस फैसले की,
आठों पहर खटकन रही।।

जुम्मन शेख अब हमेशा,
इस ताक में रहने लगे।
कब अलगू चौधरी से,
बदला लेने का अवसर मिले।।

ऐसा अवसर जल्द ही,
जुम्मन के हाथ आया।
अलगू चौधरी बटेसर से,
बैलों की जोड़ी मोल लाया।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (ए०आर०पी०)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

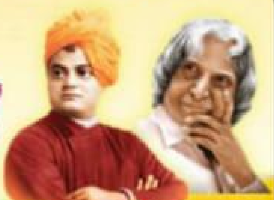

776

दिनाँक- 19/10/2020

दिन- सोमवार

पंच परमेश्वर भाग-7

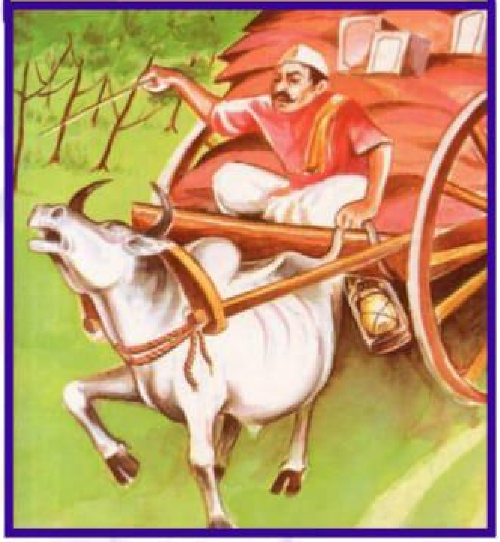

पंचायत के महीने भर बाद दैवयोग से,
एक बैल मर गया बैलों के जोग से।
बैल अकेला अलगू के न रहा किसी काम का,
सोचा बेच दिया जाए इसे कुछ दाम का।।

एक महीने में दाम चुकाने का वादा किया,
समझू साहू ने चौधरी से बैल खरीद लिया।
बैल नया पाते ही समझू लगे रगेदने,
चार-चार खेपें कर अत्यधिक काम लिया।।

चारा-पानी समय पर बैल को न दिया,
एक दिन साहू जी ने दूना बोझ लाद दिया।
लगाया जोर बैल ने तो आधे रास्ते में ही,
धरती पर ऐसा गिरा कि फिर कभी न उठा।।

इस घटना को कई महीने गए बीत,
जब भी अलगू माँगें दाम साहूजी जाते खीझ,
साहू-सहुआइन दोनों बोले मुर्दा बैल दिया,
उस पर चले माँगने दाम नहीं तुमको तमीज़।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (ए०आर०पी०)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

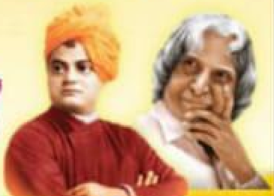

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 27/10/2020

835

दिन- मंगलवार

पंच परमेश्वर भाग-8

साहू जी ने दाम न चुकाया,
दोनों में झगड़े हुए कई बार।
लोगों ने साहू को समझाया,
पंचायत कर लो अबकी बार।।

जो कुछ भी तय हो जाए,
कर लेना उसको स्वीकार।
साहू जी अब हो गए राजी,
अलगू चौधरी भी हुए तैयार।।

उसी वृक्ष के नीचे हुई पंचायत,
आ बैठे लोग चौकड़ी मार।
रामधन बोले, अलगू चौधरी,
किसे पंच करते हो स्वीकार?

मुंशी प्रेमचन्द

अलगू बोले, समझू ही चुन लें,
मुझे भी वही होगा स्वीकार।
समझू उठे, कड़ककर बोले,
जुम्मन शेख हैं पंच इस बार।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

877

दिनाँक- 03/11/2020

दिन- मंगलवार

पंच परमेश्वर भाग- 9

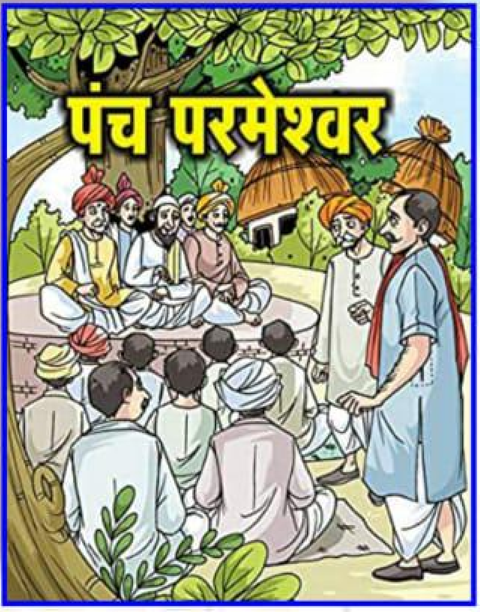

जुम्मन का नाम सुनते ही,
अलगू का कलेजा घबराया।
फिर भी उसने जुम्मन को,
पंच रूप में अपनाया।।

सरपंच का आसन पाते ही,
जुम्मन में जिम्मेदारी आयी।
न्याय के सर्वोच्च आसन पर बैठ,
सत्य से जौ भर न टला जाइ।।

पंचों ने दोनों से सवाल-जवाब किये,
दोनों अपने-अपने पक्ष का समर्थन किये।
अंत में जुम्मन ने फैसला सुनाया,
जिसको सुनकर अलगू हैरानी में आया।।

मुंशी प्रेमचन्द

पंचों ने तुम्हारे मामले पर,
अच्छी तरह विचार किया।
अलगू को समझू साहू द्वारा,
बैल का पूरा दाम जाए दिया।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

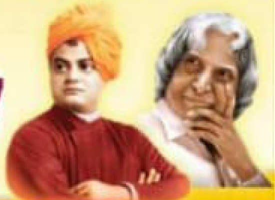

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

932

दिनाँक- 10/11/2020

दिन- मंगलवार

पंच परमेश्वर भाग-10

समझू ने जब बैल लिया था,
उस समय वह बीमार न था।
उसकी मृत्यु इसलिए हुई।
उससे कठिन परिश्रम लिया।।

उसके दाने-चारे का उचित,
प्रबन्ध समझू ने नहीं किया।
इसमें अलगू का दोष नहीं है,
उसको पूरा दाम जाए दिया।।

अलगू चौधरी फुले न समाये,
बोले पंच परमेश्वर की जय।
साथ ही लोगों ने दोहराया,
पंच परमेश्वर की जय।।

जुम्मन, अलगू के पास आए,
उनके गले से लिपट गए।
अलगू चौधरी भावुक हुए,
उनके आँसू टपक गए।।

इस पानी से दोनों के,
दिलों का मैल धुल गया।
फिर से हरी हो गयी,
मित्रता की मुरझाई लता।।

समाप्त

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

मुंशी प्रेमचंद

काव्य रूपान्तरण:- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद